विद्यांजलि

विद्यांजलि, शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की एक पहल है, जो समुदाय और स्वयंसेवकों को एक समर्पित पोर्टल के माध्यम से अपनी सेवाओं और/या संपत्तियों/सामग्रियों/उपकरणों में योगदान करने के लिए सरकार और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों से सीधे जुड़ने की सुविधा प्रदान करती है।

यह शैक्षणिक संस्थानों के पूर्व छात्रों, सेवारत और सेवानिवृत्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों, सरकारी/अर्ध-सरकारी अधिकारियों, सेवानिवृत्त सशस्त्र बलों के कर्मियों, स्व-रोज़गार और वेतनभोगी पेशेवरों, गृहिणियों, भारतीय प्रवासी और किसी भी अन्य संगठन के व्यक्तियों द्वारा स्वैच्छिक योगदान की सुविधा के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल है। विद्यांजलि पोर्टल पर पंजीकरण करके पूरे भारत में अपनी पसंद के सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में समूह या कंपनी, इच्छुक स्वयंसेवक या तो संपत्ति या सामग्री के रूप में योगदान कर सकते हैं या पाठ्यचर्या, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में अपने ज्ञान और कौशल को साझा करके भाग ले सकते हैं।

स्वयंसेवक योगदान के लिए व्यापक श्रेणियां सेवाओं/गतिविधियों के साथ-साथ बुनियादी नागरिक बुनियादी ढांचे, बुनियादी विद्युत बुनियादी ढांचे, डिजिटल बुनियादी ढांचे, पाठ्येतर गतिविधियों और खेल के लिए उपकरण, योग, स्वास्थ्य और सुरक्षा सहायता, शिक्षण सामग्री, रखरखाव जैसी संपत्तियों/सामग्री एवं मरम्मत, कार्यालय स्टेशनरी/फर्नीचर/सहायता सेवाएँ/आवश्यकताएँ आदि को कवर करती हैं।

विद्यांजलि पोर्टल का लाभ उठाकर हमारे विद्यालय ने भी विभिन्न संगठनों के सहयोग से विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं। विद्यांजलि पहल के तहत आयोजित गतिविधियों का सार नीचे दिया गया है:

नशामुक्ति जागरूकता विषय पर सेमिनार

आजकल नशे की लत एक आम बात हो गई है। इसलिए ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के सहयोग से दिसंबर 2023 में नशामुक्ति पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया था। इस सत्र में छात्रों को नशीली दवाओं के दुष्परिणामों से परिचित कराया गया। उन्हें स्वयं को जानने और अपने जीवन में सही रास्ता चुनने के लिए भी प्रेरित किया गया

बाल विकास संबंधी विकलांगताओं पर जागरूकता संगोष्ठी

27 मार्च 2024 को 'नर्चर फाउंडेशन' के साथ "बाल विकासात्मक विकलांगता" पर एक सेमिनार आयोजित किया गया। कक्षा 3-4 के विद्यार्थियों के माता-पिता के साथ शुरुआती चरण में विकलांग बच्चों की पहचान करने और उनसे निपटने पर एक शानदार सत्र पर चर्चा की गई। यह सत्र अभिभावकों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान और इससे निपटने के तरीकों के बारे में बताता है। सत्र के मुख्य एजेंडे थे:

• निदान में आने वाली कठिनाइयों को उजागर करना

• संभावित संकेतों और लक्षणों को पहचानना।

• चुनौतीपूर्ण व्यवहारों को पहचानना

• संभावित जोखिमों की पहचान करना।

• समर्थन रणनीतियों का सुझाव देना

यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता साबित हुई जिसमें 50 से अधिक माता-पिता ने शामिल हुए।